संस्कृत साहित्य परिषद्, हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

About Society -

संस्कृत विभाग, हंसराज महाविद्यालय का उद्देश्य छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए समुचित वातावरण प्रदान करना है। संस्कृत विभाग की सोसायटी संस्कृत साहित्य परिषद्, संस्कृत भाषा के उत्थान के लिए हर संभव प्रयास करता रहा है। विद्यार्थियों में संस्कृत के प्रति रूचि और इस प्राचीनतम भाषा का आधुनिक काल के साथ समागम, संस्कृत साहित्य परिषद् के मुख्य उद्देश्य हैं। अभी तक संस्कृत साहित्य परिषद् , अनेकानेक संगोष्ठियाँ,सम्मलेन, कार्यशाला और प्रतिस्पर्धाओं का सफलता पूर्वक आयोजन करता आया है। कोरोना काल में, परिस्थितियों के अनुसार कई वेबिनार का आयोजन भी किया गया। समय के बदलते हर पड़ाव पर संस्कृत भाषा की तरह ही यह परिषद् भी अपनी जगह आकाश में सूर्य के समान बरकरार किये हुए है।

प्रभारी- डॉ० सतीश कुमार मिश्रा
अध्यक्षा- हर्षिता खुशी बिरजी
उपाध्यक्ष - प्रवीण कुमार पीयूष
सचिव- परवेज़ अहमद
सह सचिव - अस्मिता द्विवेदी

Events Organised 2020-21

- संस्कृत विभाग की सोसायटी संस्कृत साहित्य परिषद् ने 06 फरवरी, 2021 को संस्कृत विषय में प्रवेश लेने वाले नवागंतुक छात्रों के स्वागत के लिए ‘नवागंतुक स्वागत समारोह’ का आयोजन ऑनलाइन माध्यम द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में सभी नवागत छात्रों ने अपने सांस्कृतिक कलाओं का प्रदर्शन किया तथा इसके

अंतर्गत शिक्षकों और छात्रों के मध्य परस्पर वार्तालाप के सत्र का भी आयोजन किया गया।

- 20 जून, 2020 को विभाग द्वारा “जीवन की सीमा और विस्तार' (विशेष रूप से आज के परिप्रेक्ष्य में)” विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया । इस वेबिनार के वक्ता डॉ० वागीश आचार्य थे तथा इसकी अध्यक्षता डॉ० भारतेन्दु पाण्डेय ने की । इस वेबिनार में ऑनलाइन माध्यम द्वारा पूरे भारतवर्ष से कई छात्र, शोधच्छात्र और अध्यापक जुड़ें ।

- 25 अगस्त, 2020 को विभाग द्वारा भारतीय बौद्धिक विरासत व्याख्यानमाला के अंतर्गत ‘भारतीय दर्शन के कतिपय ज्ञानमीमांसीय प्रश्न: विशेष रूप से न्याय–वैशेषिक दर्शन के संदर्भ में’ विषय पर एक और वेबिनार का आयोजन किया गया था, जिसके वक्ता प्रसिद्ध दार्शनिक और विद्वान् प्रो० वी० एन० झा थे और इसकी अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो० रमेश चन्द्र भारद्वाज ने की । इस वेबिनार में भी पूरे भारतवर्ष के कई विद्वान ऑनलाइन माध्यम से जुड़ें ।

- विश्वविद्यालय के अंतर्गत तथा अन्य स्थलों पर ऑनलाइन माध्यम द्वारा आयोजित हो रहे प्रतियोगिताओं में भी विभाग के छात्र पूरे उत्साह के साथ सम्मिलित हुए तथा इन प्रतियोगिताओं में विजित भी हो रहे हैं ।

Photographs